स्त्री मनोरक्ष न्यूज़लेटर

माननीय मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी,
(महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,
भारत सरकार) ने
परियोजना स्त्री मनोरक्षा को महिला दिवस
सप्ताह 2 मार्च 2022 के अवसर पर
आधिकारिक तौर से लॉन्च किया।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान
(निमहंस)
होसुर रोड. बैंगलोर - 560029 कर्नाटक. भारत
हमसे संपर्क करें: +91- 8026995227|+91- 7019656138
WCDCOUNSELLING@GMAIL.COM| WCDCOUNSELLING1@GMAIL.कॉम

मानचित्र पर

प्रोजेक्ट स्त्री मनो रक्षा - बेसिक ट्रैंनिंग तथा एडवांस्ड ट्रैंनिंग

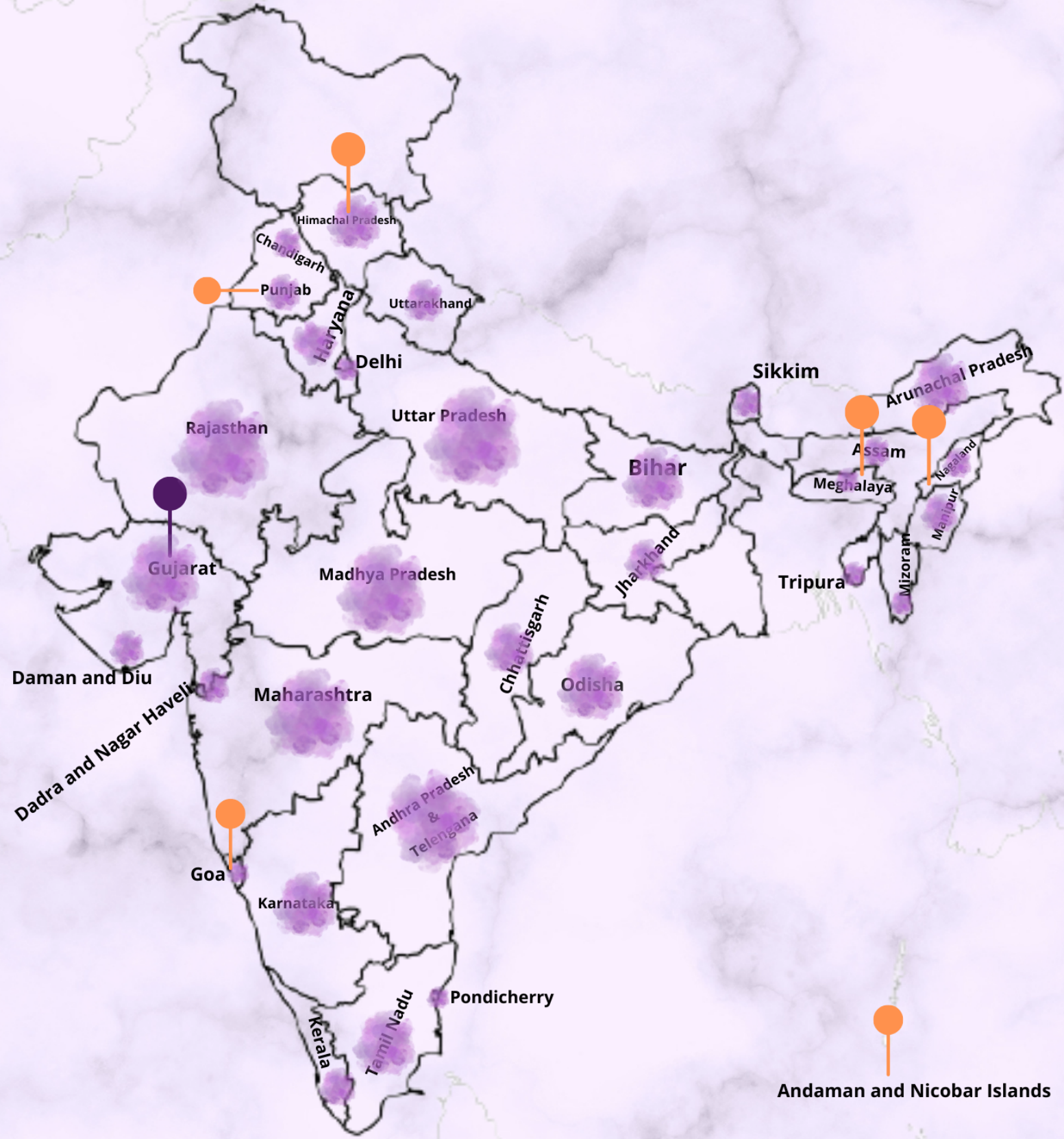

स्टेट और UT जिन्होंने बेसिक ट्रैंनिंग पूर्ण किया

स्टेट और UT जिनका एडवांस्ड ट्रैंनिंग चल रहा है

स्टेट और UT जो आगे आने वाला एडवांस्ड कोर्स लेंगे

परियोजना स्त्री मनोरक्षा को आधिकारिक तौर पर माननीया मंत्री, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,भारत सरकार की उपस्थिति में MoWCD द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह समारोह के दौरान लॉन्च किया गया था।उद्घाटन समारोह की शुरुआत श्री इंदेवर पांडे, सचिव, MoWCDद्वारा उद्घाटन भाषण के साथ हुई। इसके बाद प्रोजेक्ट स्त्री मनोरक्षा का परिचय और अब तक की गई प्रगति के बारे में डॉ. प्रभा एस चंद्रा, प्रोफेसर, मनश्चिकित्सा विभाग, प्रोजेक्ट लीड, स्त्री मनोरक्षा प्रोजेक्ट, निम्हांस द्वारा बताया गया।

सत्र की शुरुआत स्त्री मनोरक्षा टीम, निम्हांस द्वारा 'भारत में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और मनोसामाजिक कल्याण' के ऊपर संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी के साथ हुई।

- हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना - सुश्री गुरिंदर कौर (ट्रेनर, स्त्री मनोरक्षा)
- महिलाओं और लड़कियों के लिए ट्रॉमा-सूचित देखभाल क्या है?- डॉ वीणा सत्यनारायण (सह-प्रमुख, स्त्री मनोरक्ष)

ओएससी स्टाफ ए. जोसेफिन (तमिलनाडु), प्रदीप राय (सिक्किम), निशा (हिमाचल प्रदेश), विनीता सिंह (मध्य प्रदेश), राजेश कुमारी शर्मा (राजस्थान) ने उनके ऑन-फील्ड अनुभवों के बारे में कहा की कैसे स्त्री मनोरक्ष प्रशिक्षण ने उन्हें महिलाओं के खिलाफ होने वाली लिंग आधारित हिंसा के मामलों को संभालने में और अपने मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने से संबंधित कौशल को बढ़ाने में मदद की है।

इसके बाद ओएससी कर्मचारियों के लिए प्रतियोगिता जिसमे पोस्टर बनाने के लिए सर्वश्रेष्ठ 15 प्रविष्टियों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। प्रोजेक्ट स्त्री मनोरक्ष इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को चिह्नित करने के लिए और इस दिन को लिंग-समावेशी भविष्य के लिए रचनात्मकता, रंग और आशा से जोड़ने के लिए हमारे प्रशिक्षुओं को एक मंच प्रदान करने की एक पहल करना चाहता था। इस पोस्टर प्रतियोगिता में भारत के सभी क्षेत्रों से कुल 202 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 15 को उत्कृष्ट क्षेत्रीय भागीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार दिया गया।

पोस्टर बनाने के लिए विषय इस प्रकार थे:

- आप किस तरह एक जेंडर समानता वाले घर की कल्पना करेंगे।
- हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं को सपोर्ट करने के लिए एक पोस्टर बनायें।
-

माननीय मंत्री जी, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, MoWCD, ने उन्नत प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम लॉन्च किया और उसके बाद ओएससी परामर्शदाताओं के लिए परियोजना स्त्री मनोरक्षा संसाधन पुस्तक का विमोचन किया। तत्पश्चात माननीय मंत्री जी ने हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल और इस पहल में परियोजना स्त्री मनोरक्षा योगदान के महत्व पर बल दिया।

प्रोजेक्ट स्त्री मनो रक्षा का लांच - कुछ तस्वीरें

माननीय मंत्री जी, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने परियोजना स्त्री मनोरक्षा संसाधन पुस्तक का विमोचन किया

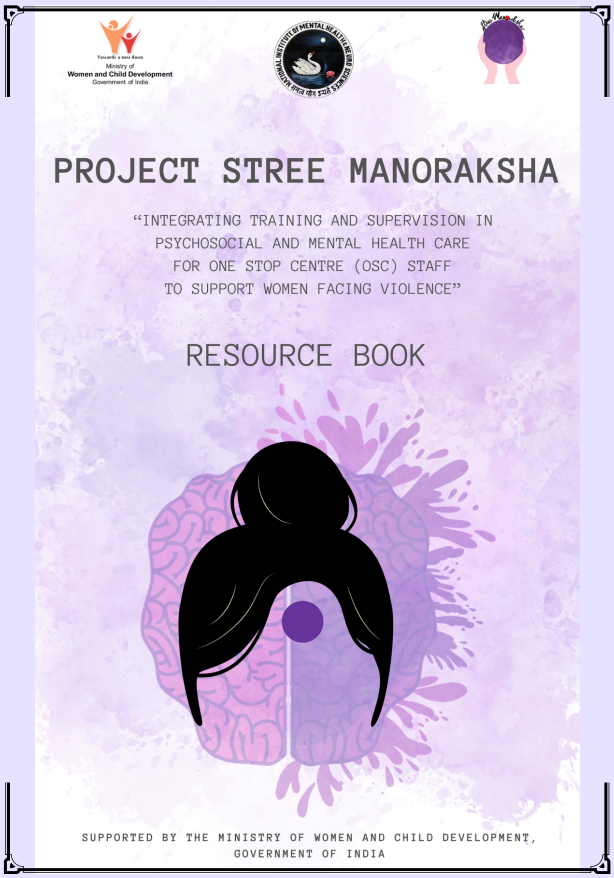

परियोजना स्त्री मनोरक्षा संसाधन पुस्तक

ओएससी परामर्शदाता और केंद्र तथा पूरे क्षेत्र के प्रशासकों के लिए लिंग आधारित हिंसा का सामना करने वाली महिलाओ के ऊपर होने वाले मनोसामाजिक समस्याओ के लिए उन्नत कोर्स का शुभारम्भ किया गया ।

माननीय मंत्री MoWCD तथा स्त्री मनोरक्षा प्रोजेक्ट टीम द्वारा मार्च २०२२ में प्रोजेक्ट का शुभारम्भ

प्रोजेक्ट के उद्घाटन पर मार्च २०२२, नयी दिल्ली में OSC स्टाफ के साथ टीम स्त्री मनोरक्षा

महिला आंदोलन का संक्षिप्त इतिहास : कैसे और कहाँ शुरू हुआ

सृष्टि पात्रा द्वारा

महिलाओ के सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक-सामाजिक उपलब्धियों को सम्मान

मार्च 8

लैंगिक समानता, जनन अधिकार और महिलाओं के खिलाफ हिंसा

महिला आंदोलन का संक्षिप्त इतिहास

१८४८

महिला आंदोलन का संक्षिप्त इतिहास महिलाओं के अधिकार का सबसे पहला कन्वेंशन सेनेका फाल्स न्यूयॉर्क में आयोजित हुआ। इसमें 300 पुरुषों के साथ और महिलाएं शमील थे। भावनाओं की घोषणा' को 12 प्रस्तावों के साथ पारित किया गया था, जिसमें महिलाओं का वोट देने का अधिकार एक प्रमुख चिंता का विषय था।

१८४०

सुसान बी.एंथोनी और एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन ने राष्ट्रीय महिला मताधिकार संगठन का गठन महिलाओं को मतदान का अधिकार हासिल करने के उद्देश्य से किया ।

१८९६

राष्ट्रीय कलर्ड महिला एसोसिएशन का गठन इंटरसेंक्शनलिटी को बढ़ावा देने के लिए था क्योंकि ये महिला आंदोलन के लिए बहुत जरूरी था।

१९०३

राष्ट्रीय महिला व्यापार संघ लीग (डब्ल्यूटीयूएल) का गठन महिलाओं को बेहतर मेहनताना देने और अच्छे काम के स्थिति की वकालत करने के लिए किया गया था।

१९०८

न्यूयॉर्क के सड़को पर १५००० महिलाओं के साथ एक सामूहिक मार्च महिलाओं के लिए बेहतर काम, कम घंटे, बेहतर वेतन और समान मतदान के अधिकारों के लिए किया गया।

१९१०

क्लारा ज़ेटकिन, नेता, 'महिला कार्यालय', सामाजिक लोकतांत्रिक पार्टी, जर्मनी ने प्रस्ताव रखा की हर साल महिलाओं का सम्मान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाए ।

१९११

पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस ऑस्ट्रिया,डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में 19 मार्च को मनाया गया। इसमें एक लाख से अधिक महिला और पुरुषो ने भाग लिया ये अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस रैलियां (आईडब्ल्यू) महिलाओं के अधिकार,काम, वोट, प्रशिक्षित होने, धारण करने के लिए सार्वजनिक कार्यालय में महिलाओ की भागेदारी और उनके प्रति भेदभाव को खत्म करने के लिए की गई ।

१९१७

वर्ल्ड वॉर १ में २ लाख से अधिक रूसी सैनिकों की मौत का विरोध करने के लिए रूसी महिलाओ ने "रोटी और शांति"के लिए हड़ताल शुरू की। ये ४ दिन तक जारी रही और चार दिन जार की अस्थाई सरकार को पीछे हटना पड़ा और महिलाओ को मतदान का अधिकार दिया गया।

१९७५

United Nations ने पहली बार १९७५ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया।

महिला आंदोलन का संक्षिप्त इतिहास

२००१

बहुत सारी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं जिनमे इंटरनेशनल विमेंस डे. कॉम और #choosetochallenge #eachforequal #genderagenda जैसे आंदोलन लिंग समानता के लिए सामने आए।

२०११

संयुक्त राज्य अमेरिका में 100 वर्ष पूरे होने वाले पर इंटरनेशनल महिला दिवस का शताब्दी वर्ष मनाया गया था।
राष्ट्रपति बराक ओबामा ने घोषणा की की मार्च 2011 को "महिला इतिहास महीना" के रूप में चिन्हित रखा जाए और महिलाओ के देश की बेहतरी में योगदान को याद रखा जाए।

२०१७

metoo मूवमेंट की शुरुआत हुई यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और हमले के कई मामले सामने आए
यह आंदोलन तेजी से गति को प्राप्त हुआ जहां बहुत सारे क्षेत्रों जैसे सिनेमा, अकादमिक, पत्रकारिता आदि से प्रसिद्ध लोगो को जवाबदेह ठहराया गया।

२०१८

भारतीय दंड संहिता की धारा 377 को अपराधमुक्त किया गया था, जिसमें निजी समलैंगिक संबंधों को कानूनी हक दिया गया।

सर्वोच्च न्यायालय ने ये भी फैसला सुनाया कि "कोई भी स्थान महिलाओं के साथ जैविक कारणों से कोई भेदभाव नहीं करेगा और ये संविधान का उल्लघंन होगा जैसे मासिक धर्म के कारण महिलाओं का मंदिर में प्रवेश।

OSC स्टाफ द्वारा बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन
प्रथम पुरुस्कार

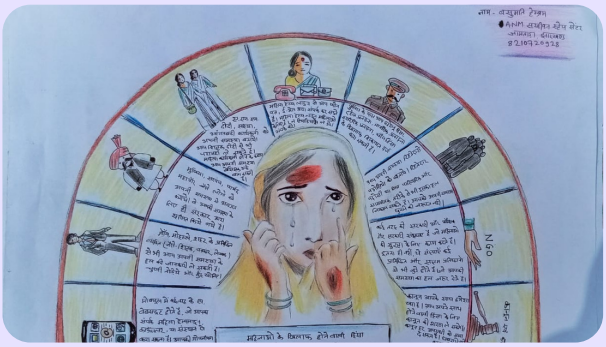

OSC जामताड़ा. झारखंड [पूर्व]

OSC इरिंजलक्कुड [साउथ]

OSC चूरू राजस्थान [नॉर्थ]

OSC नांदेड़. महाराष्ट्र [पश्चिम]

OSC पेरेन. नागालैंड [नॉर्थ ईस्ट]

OSC स्टाफ द्वारा बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन
द्वितीय पुरुस्कार

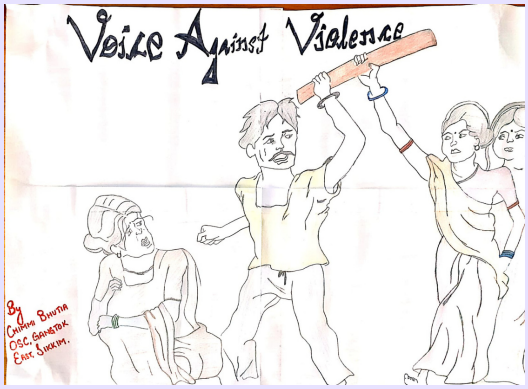

OSC छिम्मी. गंगटोक [नॉर्थ ईस्ट]

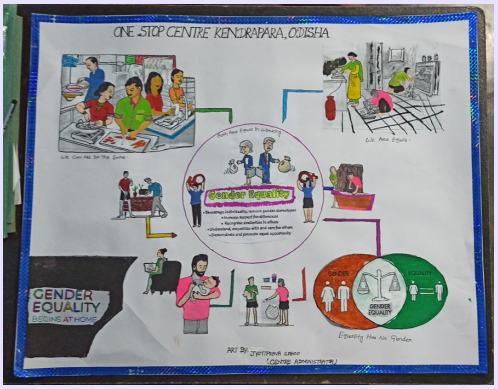

OSC केंद्रपाड़ा. ओडिशा [ईस्ट]

OSC कलबुर्गी. कर्नाटक [साउथ]

OSC रत्नागिरी. महाराष्ट्र [वेस्ट]

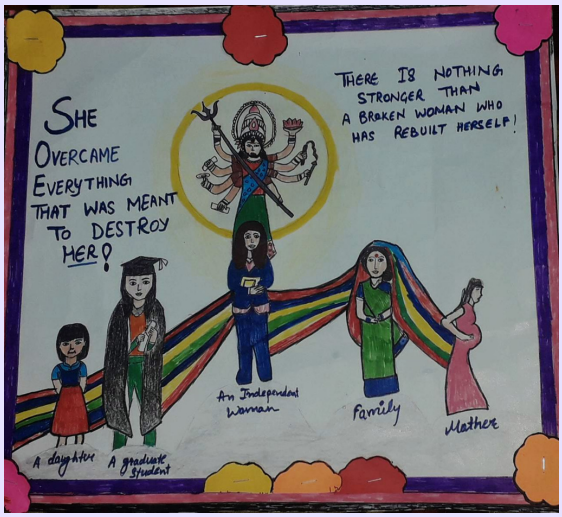

OSC कुल्लू. हिमाचल प्रदेश [नॉर्थ]

OSC स्टाफ द्वारा बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन
विशेष उल्लेख

OSC कटक ओडिशा [ईस्ट]

OSC अल्लापुझा [साउथ]

OSC प्रेरिता जूनागढ़, गुजरात [वेस्ट]

OSC सिरोही राजस्थान [नॉर्थ]